

**M.Ed. SPECIAL EDUCATION-HEARING
IMPAIRMENT (MEDSEHI)**

Term-End Examination

June, 2019

00521

**MMDE-076 : CURRICULUM AND TEACHING
STRATEGIES FOR CHILDREN WITH HEARING
IMPAIRMENT**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 75

*Note : Both Part A and Part B are compulsory. Marks
are allotted against each question / part.*

PART A

*Answer any three questions from questions no. 1 to 5
in about 150 words each.*

3×5=15

1. Write a short note on 'Theories of Reading'.
2. What are the limitations of 'Total Communication' mode ?
3. What are the vocational choices available for persons with hearing impairment ?
4. What do you understand by 'curriculum based assessment' ?
5. What are the guidelines to be followed while developing a remedial programme ?

PART B

Answer any four questions. Question no. 11 is compulsory. Write the answers in about 400 words each.

4×15=60

6. Discuss about developing literacy skills in children with hearing impairment.
7. What are the techniques of developing language in children with hearing impairment ? Discuss by giving examples of various activities.
8. What is adaptation of curriculum ? Discuss the procedure of curriculum adaptation and improvisation.
9. How would you relate language maturity with social integration of children with hearing impairment ? How would you promote social interaction ? Discuss.
10. What is 'Alternative and Augmentative Communication' (AAC) ? What are the different forms of AAC ? Describe.
11. Take any 'Special School for Children with Hearing Impairment' as an example and discuss what are the modes of communication being practised there. Discuss the role of teachers and principal in selecting appropriate mode of communication for their students.

एम.एड. विशेष शिक्षा - श्रवण बाधिता

(एम.ई.डी.एस.ई.एच.आई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2019

एम.एम.डी.ई.-076 : श्रवण बाधित बच्चों के लिए पाठ्यक्रम एवं
अध्यापन नीतियाँ

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 75

नोट : भाग अ एवं भाग ब दोनों अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न/ भाग के
निर्धारित अंक उनके सामने दिए गए हैं ।

भाग अ

प्रश्न संख्या 1 से 5 में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग
150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।

3×5=15

1. 'पठन के सिद्धांतों' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।
2. 'संपूर्ण संप्रेषण' साधन की सीमाएँ क्या हैं ?
3. श्रवण बाधित व्यक्तियों हेतु उपलब्ध व्यावसायिक चयन क्या-क्या हैं ?
4. 'पाठ्यक्रम आधारित आकलन' से आप क्या समझते हैं ?
5. उपचारात्मक कार्यक्रम विकसित करने के लिए कौन-कौन-से दिशा-निर्देशों का पालन करना पड़ता है ?

भाग ब

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रश्न संख्या 11 अनिवार्य है ।
प्रत्येक उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए । 4×15=60

6. श्रवण बाधित बच्चों में साक्षरता कौशल विकसित करने पर चर्चा कीजिए ।
7. श्रवण बाधित बच्चों में भाषा कौशल विकसित करने की क्या-क्या तकनीकें हैं ? विभिन्न क्रियाकलापों के उदाहरण देते हुए चर्चा कीजिए ।
8. पाठ्यक्रम का अनुकूलन क्या है ? पाठ्यक्रम अनुकूलन तथा सुधार की विधि क्या है ? चर्चा कीजिए ।
9. श्रवण बाधित बच्चों की भाषा परिपक्वता को उनके सामाजिक एकीकरण से कैसे संबंधित करेंगे ? सामाजिक अन्योन्यक्रिया को आप कैसे बढ़ावा देंगे ? चर्चा कीजिए ।
10. 'आल्टर्नेटिव एवं ऑगमेन्टेड संप्रेषण' (AAC) क्या होता है ? AAC की विभिन्न किस्में कौन-कौन-सी हैं ? वर्णन कीजिए ।
11. उदाहरण के तौर पर श्रवण बाधित बच्चों का कोई विशेष विद्यालय लीजिए तथा चर्चा कीजिए कि वहाँ संप्रेषण के किन तरीकों का अभ्यास किया जा रहा है । उनके विद्यार्थियों हेतु शिक्षकों एवं प्रधानाचार्य की संप्रेषण का सही तरीका चुनने में भूमिका पर चर्चा कीजिए ।